Master Set

विभारत टाइम्स उत्तर प्रदेश संस्करण गुरुवार, २ अप्रैल, १९८७

'वातायन' (देहरादून) की रजत जयंती के अवसर पर मंचित नाटक 'कथा एक कंस की' का एक महत्वपूर्ण दृश्य।

'कथा एक कंस की' का मंचन

देहरादून, १ अप्रैल (निस)। नगर की नाट्य संस्था 'वातायन' द्वारा यहां अपनी नाट्य रजत जयंती के रूप में नाटक 'कथा एक कंस की' का सफल मंचन किया गया। नगरपालिका श्रोतशाला में दो दिन प्रदर्शित यह नाटक, 'वातायन' की २५वीं प्रस्तुति थी और नाटकों के कुल प्रदर्शन की श्रृंखला में यह सौवां प्रदर्शन था।

नाटक में महाभारत काल के पात्र कंस को केन्द्र मान कर उस युग की घटनाओं का आधुनिक सन्दर्भों में विश्लेषण किया गया है। फ्लैश बैक दृश्यों पर आधारित इस नाटक में यद्यपि समय का अन्तराल व पात्रों की आयु का परिवर्तन होता है, पर कुल मिला कर नाटक की गति बनी रहती है। अगर नाटक में कहीं ठहराव है तो इसका मूल पटकथा में है। दया प्रकाश सिन्हा द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन राम प्रसाद अनुज ने किया।

अभिनय की दृष्टि से कंस के रूप में रमेन्द्र कोटनाला, नाटक का केन्द्र बने रहने में सफल रहे। उनके अतिरिक्त निवेदिता, मंजुल आदि अन्य पात्र भी प्रभावित करते हैं। दीपक भट्टाचार्य की रंग सज्जा, अजय चक्रवर्ती का संगीत भी सफलानुकूल था। इस अवसर पर अतुल शर्मा के सम्पादन में प्रकाशित स्मारिका सामान्य से हट कर थी।